विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती - प्रेमचंद

कॉप-28 का 'दुबई आम सहमति' प्रपत्र जलवायु परिवर्तन से लड़ने हेतु जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की घोषणा सतत् विकास के लिये युगान्तकारी कदम है

जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) सत्य घटना है, इसमें शंका के लिये कोई गुंजायश नहीं है। सर्द देशों में लू का असर। भारतीय मानसून की शुरूआत और उसकी वापसी। कभी तेज और कभी बिना बारिश के दिन और कम दवाब के सिस्टम। उत्तराखण्ड में बादल फटने की घटनायें, बाढ़ से पहाड़ टूटने की घटनायें, जंगलों में आग, नई बीमारियों का उदय, ग्लेशियर का सिकुडना, समुद्र का बढ़ना आदि अनेक घटनायें हैं। यदि इन्हें समझेंगे तो स्पष्ट होगा कि जलवायु परिवर्तन से जीवन प्रभावित हुआ है और पृथ्वी विनाश की ओर बढ़ रही है। कॉप-28 दुबई में दिनांक 13.12.2023 को सम्पन्न हो चुका है। इस संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में सभी उपस्थित वार्ताकार देशों ने इस विचार धारा पर सहमति बनाई है कि पृथ्वी को गर्म करने वाले जीवाश्म ईंधन से अर्थात् कोयला, पेट्रोल, गैस के स्थान पर ऊर्जा के स्रोतों में परिवर्तन लाना आवश्यक है। चरण बद्ध रूप से जीवाश्म ईंधन से दूर जाना ही सही विचार है। इस विचार को साकार देते हुये इस ऐतिहासिक व युगान्तकारी घोषणा प्रपत्र ''ग्लोबल स्टॉक टेक'' को बिना किसी आपत्ति के वार्ताकार देशों ने स्वीकार कर लिया। इसकी विशेषता है कि इस नये समझौते में अथवा प्रस्ताव में जीवाश्म ईंधन को चरण बद्ध तरीके से समाप्त करने का कोई उल्लेख नहीं है। इस समझौते में सभी देशों के लिये उनकी कटिबद्धता के अनुसार अलग अलग प्रक्रियों की पहिचान के अनुसार वे ग्लोबल वार्मिंग से अपनी रक्षा कर सकते हैं। परिवर्तन इस प्रकार होगा कि दुनियां 2050 तक नेट जीरो ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को प्राप्त कर सके। इस प्रकार कॉप-28 में न्याय संगत, सतत विकास के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुये जीवाश्म ईंधन से दूरी बनाकर रखने का आव्हान किया है उसे पूरा कर सकेंगे।

कॉप-28 में भारत के कई एनजीओ ने भागीदारी दी है उनमें मुख्य हैं- पैरवी, मौसम, सिकोयडिकोन व अन्य और इनको नेतृत्व दिया है जलवायु विशेषज्ञ सौम्या जी (जिन्हें हम दादा के नाम से पुकारते हैं) तथा अजय झा (विशेषज्ञ स्पीकर) आदि ने। भारत की ओर से देश के पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव हैं। उनका कथन है कि कॉप-28 में जो प्रस्ताव पारित हुआ जिसका उल्लेख ऊपर किया है उसमें भारत की बड़ी भूमिका है तथा वे उसका स्वागत करते हैं।

यूएनएफसीसीसी के एक्जीक्यूटिव सेक्रेटरी, Simon Stiell ने कॉप-28 की इस सफलता को इन शब्दों में पिरोया है, **The beginning of the end of the Fossil Fuel Era** इसके पीछे उत्सर्जन में बड़ी कटौती व आर्थिक सहायता को बढ़ाने की कटिबद्धता है। प्रत्येक देश को गैस के उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कमी 2030 तक करने की चुनौती है ताकि 2019 के स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 से0 तक सीमित रखा जा सके।

वार्ताकार देश 'Global Goal on Adaptation (GGA) के बाबत यह स्वीकार किया है कि 'The GGA frame work reflects a global consensus on adaptation targets and the need for finance, technology and capacity-building support to achieve them.

यह भी स्वीकार किया गया है क्लाईमेट फाइनेन्स में वृद्धि की जावे। गरीब व विकासशील देशों की आर्थिक सहायता के हेतु उचित कदम उठाये जावें।

कॉप-29 अब अज़रबेजान में 11-22 नवम्बर, 2024 तथा कॉप-30 दिनांक 10-21 नवम्बर, 2025 ब्राजील में आयोजित किया जावेगा। कॉप-28 की समाप्ति पर अपनी क्लोजिंग स्पीच में कॉप के प्रेसीडेंट डा0 सुलतान अहमद अल जाबेर ने अपने मन की जो बात कही वह कॉप के रेकार्ड में अमर रहेगी, वह इस प्रकार थी:-

We have worked very hard to secure a better future for our people and our planet. We should be proud of our historic achievement.

इसी प्रकार जनरल सेक्रेटरी Simon Stiell के उद्गार भी उज्जवल भविष्य को साकार कर रहे थे। उन्होंने कहा, **We must get on with the job of putting the Paris Agreement fully to work. In early 2025, countries must deliver new nationally determined contribution. Every single commitment - on finance, adaptation and mitigation - must bring us in line with a 1.5-degree world.**

कॉप-28 में उपस्थित विशेषज्ञों का कहना कि भारत ने जो जी-20 की अध्यक्षता के प्रकाश में जलवायु परिवर्तन पर विकास के लाभों को प्रदर्शित करता है कि उनका संकल्प सामुहिकता पर आधारित है जो प्रत्येक देश की भागीदारी सुनिश्चित करता है। कॉप-28 भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को अभिव्यक्त करता है।

धरती माँ को बचाने के लिये हमें फॉसिल फ्यूअल उद्योग से नाता तो तोड़ना होगा। ग्लोबल क्लाईमेट को हर हालत में 1.5 डिग्री से0 से आगे बढ़ने से रोकना ही होगा। कॉप-28 का प्रयत्न न्याय संगत तरीके से जीवाश्म ईंधन से दूर ले जाने की ओर आव्हान् करता है।

कॉप-28 में भारत के कई एनजीओ ने भागीदारी दी है उनमें मुख्य हैं- पैरवी, मौसम, सिकोयडिकोन व अन्य और इनको नेतृत्व दिया है जलवायु विशेषज्ञ सौम्या जी (जिन्हें हम दादा के नाम से पुकारते हैं) तथा अजय झा (विशेषज्ञ स्पीकर) आदि ने। भारत की ओर से देश के पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव हैं। उनका कथन है कि कॉप-28 में जो प्रस्ताव पारित हुआ जिसका उल्लेख ऊपर किया है उसमें भारत की बड़ी भूमिका है तथा वे उसका स्वागत करते हैं। मंत्री भूपेन्द्र यादव का मानना है कि कॉप-28 के समझौता प्रपत्र में भारत की परिस्थितियों को विशेषतौर पर ध्यान में रखा है और भारत द्वारा कोयले के उपयोग और मिथेन के उत्सर्जन और Renewable Energy Targets निर्धारित किये हैं वे न्याय संगत हैं। भारत तथा अन्य विकासशील देशों के हितों को भी ध्यान में रखा गया है।

केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने टाइम्स आफ इण्डिया के प्रतिनिधि के द्वारा क्लाईमेट फाइनेन्स के बात प्रश्न पूछने पर स्पष्ट किया कि यह सही है जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिये जितने धन की आवश्यकता और जो धन हाथ में है उसमें बडा अन्तर है। 2030 तक के पीरियड में 5.8 - 5.9 ट्रिलियन डालर की आवश्यकता है जबकि इतना धन नहीं है। प्रयत्न जारी है कि धन इकट्ठा हो जावेगा। कई देश फण्ड दे रहे हैं। पर्यावरण को लेकर जो भयावह परिस्थिति मानव सभ्यता की है वह विकराल चुनौती बन चुकी है, इसका समाधान ढूंढना ही होगा। धरती मां को बचाना ही होगा।

कॉप-28 का उपरोक्त समझौता कोर्टस् में प्रवर्तनकारी नहीं है, इसे कैसे कोर्ट/अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट (ट्रिब्यूनल) बनाकर प्रवर्तनकारी बनाया जावे। भारत के एनजीओ और ब्रिटेन के एनजीओ आदि ने कॉप-23 के समय अन्तर्राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल बनाने की ओर कदम उठाये थे और इस हेतु उसका विधान बनाया था और यह सहमति बनी थी मुम्बई में ट्रिब्यूनल की सीट होगी। उस पर आगे विचार की आवश्यकता है। हमें विकास भी चाहिये और पर्यावरण में सुधार भी। अत: दोनों में समन्वय करना होगा। हमें सतत समावेशी और समान आर्थिक, सतत विकास और गरीबी और भुखमरी के उन्मूलन हेतु राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुशासन और न्याय संगत व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखना है। हमें सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना है। विकसित देशों को जो ग्लोबल वार्मिंग के लिये उत्तरदायी हैं उन्हें गरीब व विकासशील देशों को समता और समानता के आधार पर नेतृत्व देना होगा।

याद रहे गरीबी जहां भी है वह अमीरी के हेतु एक चुनौती है।

शाकाहारी बनो और पृथ्वी को ग्लोबल वार्मिंग के प्रकोप से बचाओ।

अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश,
राजस्थान हाई कोर्ट

रलायता ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में भारी अनियमितता

- सामुदायिक भवन की बाउंड्री वॉल निर्माण एक साल से अधूरा, ग्रामीण परेशान
- एक साल पहले बाउंड्री वाल के लिए 10 लाख रुपये की स्वीकृति मिली थी

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत रलायता में हुए विकास कार्यों में भारी अनियमितता का मामला सामने आया है। वहीं स्कूल मैदान व सामुदायिक भवन की बाउंड्री वॉल का निर्माण अधूरा होने से सामुदायिक भवन नकारा पड़ा हुआ है।

इस मामले की ग्रामीणों ने शिकायत जिला परिषद को की है। माण्डलगढ़ के रलायता ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सामाजिक कार्यकर्ता कालू लाल के नेतृत्व में जिला परिषद भीलवाड़ा को प्रेषित शिकायत में बताया कि पंचायत क्षेत्र के गांवों में करोड़ों की राशि के विकास कार्य सरपंच द्वारा मनमाने तरीके से कराए गए हैं। वहीं कई जगह घटिया निर्माण की सीसी सड़कें बनाई गई है जो क्षतिग्रस्त होने लगी है।

मनरेगा योजना के कार्यों में भी जमकर अनियमितता की गई है। बिलिया गांव के लोगों ने आरोप लगाया कि गांव में विगत 3 वर्षों में कोई विकास कार्य पंचायत द्वारा नहीं कराया गया है। गांव के मुख्य सड़क मार्ग पर कीचड़ और गन्दगी का आलम बना हुआ है। गन्दगी की बदबू से ग्रामीणों में बीमारियां फैलने की आशंका बनी है।

हरि सिंह जी का खेड़ा में सांसद कोष से 5 लाख की राशि से सामुदायिक भवन व परिसर में 2 लाख 50 हजार की लागत से सीसी सड़क का निर्माण ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनाया गया है। सामुदायिक भवन की बाउंड्री वॉल के लिए जिला परिषद द्वारा एसएफसी (6) योजना के तहत 30 दिसम्बर 2022 को 10 लाख की राशि स्वीकृत की गई। जिसमें से 5 लाख की राशि 10 जनवरी 2023 को ग्राम पंचायत को मिल चुकी है। लेकिन सरपंच प्रेम देवी जाट द्वारा सामुदायिक भवन की बाउंड्री का निर्माण कार्य एक साल बीत जाने के बाद भी अधूरा छोड़ रखा है। जिससे सामुदायिक भवन में व परिसर में गन्दगी पसरी हुई है और ग्रामीणों के उपयोग में भी नहीं आ रहा है। बाउंड्री वॉल में करीब एक लाख की राशि का अधूरा निर्माण घटिया सामग्री से कराया गया है।

रलायता ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने पंचायत क्षेत्र में हुए घटिया निर्माण कार्यों की जांच और सामुदायिक भवन के बाउंड्री वॉल का निर्माण पूर्ण कराने की मांग की है। बेजनाथ यादव ग्राम विकास अधिकारी ने बताया कि पंचायत में हुए विकास कार्यों व सामुदायिक भवन की अधूरी बाउंड्री के निर्माण की मुझे जानकारी नहीं है। मैंने 15 दिन पहले ही रलायता पंचायत का चार्ज लिया है। मौक़े की स्थिति का जायजा लेकर कार्यवाही की जाएगी। वहीं सरपंच प्रेम देवी जाट का कहना है कि विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण कराए जा रहे हैं। चाहे तो जांच करा लेवें।

माण्डलगढ़ के रलायता पंचायत में सामुदायिक भवन की बाउंड्री निर्माण का कार्य एक साल से अधूरा पड़ा है।

उदयपुर के मधुर मेहता का राष्ट्रीय स्तर पर स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (SIH) में प्रथम स्थान

उदयपुर के मधुर मेहता ने स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में प्रथम स्थान प्राप्त कर 1लाख रुपये का इनाम जीता। मधुर मेहता और उनकी टीम ने कानून और न्याय मंत्रालय के समस्या बयानों (problem statements) को हल करने के लिए टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी परिसर , कोलकात्ता में आयोजित में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कुछ गंभीर समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करती है, और इस प्रकार उत्पाद नवाचार की संस्कृति और समस्या-समाधान की मानसिकता विकसित करती है। राष्ट्रीय स्तर पर कुल 450 टीमों में से सिर्फ़ 6 टीमों क़ानून मंत्रालय के प्रॉब्लम स्टेटमेंट के लिए फाइनल में चयन किया गया। प्रत्येक समस्या कथन (problem statements) को मिलाकर भारत में लगभग 237 समस्या कथनों के साथ 22 लाख से अधिक प्रतिभागी थे।

लोक संस्कृति के अनूठे संगम ''शिल्पग्राम उत्सव'' का आगाज़

लोक झंकार पर झंकृत हुए कला प्रेमियों के दिल

उदयपुर, (कासं)। शहर के हवाला गांव में साल के आखिरी दस दिनों तक चलने वाले उत्सव ''शिल्पग्राम उत्सव'' का आगाज गुरूवार को राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया। उत्सव की शुरूआत परंपरागत ढोल बजाकर की गई। देशभर की लोक संस्कृति के अनूठे संगम के इस महोत्सव में बड़ी संख्या में शहरवासियों व पर्यटकों की भागीदारी रहती है। उत्सव का समापन 30 दिसम्बर को होगा। उत्सव के पहले दिन मिलने वाले डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड इस बार डॉ. राजेश कुमार व्यास और लोक नृत्य प्रस्तुतीकरण एवं नृत्य निर्देशन में चार दशकों से योगदान देने वाले जयेंद्र सिंह जाडेजा को दिया गया।

उत्सव की शुरूआत करते हुए राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि लोक संस्कृति में ही जीवन की सुगंध समाई होती है। उन्होंने कहा कि संस्कृति कोई वस्तु नहीं, बल्कि जीवन जीने की ढंग होती है। हर देशवासी का कर्तव्य है कि वह अपनी संस्कृति को सहेजे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे।

मिश्र ने राजस्थान के शौर्य और बलिदान को याद करते हुए महाराणा प्रताप, पन्नाधाय के साथ ही महलों और मंदिरों की भूमि बताते हुए कहा कि मरुधरा के तो कण-कण में कला और संस्कृति है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने स्वागत भाषण में कहा कि कला-संस्कृति हमारी पहचान ही नहीं, देश की शक्ति भी है। हम सबका कर्तव्य है कि लोक संस्कृति से जन-जन को जोड़ें, साथ ही नए लोगों में भी इससे जुड़ाव पैदा करें।

उन्होंने कहा कि शिल्पग्राम उत्सव हमारे केंद्र का बड़ा आइकोनिक प्रोग्राम है। इसमें चार पद्मश्री कलाकारों के साथ ही एक हजार से अधिक आर्टिजन और आर्टिस्ट शरीक हुए हैं।

राज्यपाल ने इस अवसर पर 25 साल से अपने उत्कृष्ट लेखन से लोक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डॉ. राजेश कुमार व्यास और लोक नृत्य प्रस्तुतीकरण एवं नृत्य निर्देशन में चार दशकों से योगदान देने वाले जयेंद्र सिंह जाडेजा को पद्म भूषण डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा। प्रत्येक को 2.51 लाख रुपए और प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के साथ ही शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। डॉ. व्यास ने 25 पुस्तकों का लेखन किया, जिनमें सांस्कृतिक राजस्थान, कलावाक्, रंग नाद, सुर जो सजे आदि उल्लेखनीय हैं। वहीं, प्रसिद्ध लोक कलाकार जाडेजा ने भारत के साथ ही विभिन्न देशों में 745 प्रोग्राम किए और 84 कार्यशालाओं का आयोजन किया।

'शिल्पग्राम उत्सव' के पहली सांस्कृतिक पेशकश 'लोक झंकार' ने संस्कृति के ऐसे खूबसूरत रंग बिखेरे कि मौजूद तमाम कला प्रेमियों के दिल झंकृत हो गए। लोक झंकार के दौरान मणिपुरी म्यूजिकल पुंग ढोल चोलम, राजस्थानी चरी, छत्तीसगढ़ के ककसार, गोवा के देखनी, ओडिशा के गोटीपुआ, गुजरात के जेठवा, पश्चिम बंगाल के नटवा, महाराष्ट्र के सोंगी मुखोटा, झारखंड के पाइका, पश्चिम बंगाल के पुरलिया छाऊ, कर्नाटक के ढोलू कुनिथा, दमन के माची, गुजरात के राठवा, राजस्थानी कालबेलिया, पंजाब के भांगड़ा, गुजरात के सिद्धि धमाल नृत्यों की एक के बाद एक प्रस्तुति के रोमांच और तारीफ से सामयीन अभी उबरे भी नहीं थे कि राजस्थान के लंगा गायन ने उन्हें फिर से झूमने और वाह-वाही करने को विवश कर दिया।

उदयपुर में शिल्पग्राम उत्सव की शुरूआत राज्यपाल कलराज मिश्र ने परंपरागत ढोल बजाकर की।

पुस्तक समीक्षा काव्य संग्रह : अंधियारे का प्रहरी दीपक

मंगल व्यास भारती राजस्थान के जाने माने कवि और लेखक के रूप में 1998 से ख्याति अर्जित किये हुए है। चूरू निवासी भारती का नवीनतम काव्य संग्रह अंधियारे का प्रहरी दीपक शीर्षक से हाल ही प्रकाशित होकर विमोचित हुआ है। यह काव्य संग्रह उनकी तीसरी प्रकाशित कृति है। कवि और लेखक मंगल व्यास भारती को साहित्य सृजन विरासत में मिला है। उनके दादा प. चंद्र शेखर व्यास कवि फक्कड के नाम से प्रसिद्ध थे। शेखर का सोरग्र लोग बडे चाव से सुनते थे। भारती के चचेरे दादा प. भरत व्यास और बीएम व्यास भी देश के विख्यात गीतकार और अभिनेता थे। कवि भारती के काव्य संग्रह अंधियारे का प्रहरी दीपक निश्चय ही अँधेरे में रौशनी की ज्योति प्रज्वलित करता दिखाई देता है। नब्बे पृष्ठ का यह काव्य संग्रह राजस्थान साहित्य अकादमी के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित हुआ है। इसमें 84 काव्य रचनाएं दोहा, कुण्डलिया, रोला और छंद के रूप में लिखी गई है। भारती की कविताओं में जन जीवन के इंद्रधनुषी रंग है। सामाजिक सरोकारों का सांगोपांग चित्रण काव्य संग्रह में देखने को मिलता है। कवि आशावादी है। अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सारगर्भित सकारात्मक सन्देश देता है। उन्होंने साफगोई से बहुत सरल और सहज ढंग से अपनी बात कही है। कविता संग्रह की रचनाएं सहज ही आकर्षित करती है। प्रस्तुत काव्य पुस्तक में देश और समाज की विसंगतियों सहित प्रेम, सद्भावना, पर्व, त्यौहार और सामाजिक - सांस्कृतिक परिवेश को साधारण से शब्दों के माध्यम से संप्रेषित करना एक अनूठा प्रयोग है। ये कवितायें कवि के अपने व्यक्तिगत अनुभवों की श्रंखला के रूप में आकार लेती हैं साथ ही आशा और सकारात्मकता का संचार भी करती हैं। पुस्तक केवल कविताओं का ही नहीं बल्कि भावनाओं, संवेदनाओं और अभिव्यक्ति का भी सशक्त संग्रह है। सभी कविताएं तन मन को छूने वाली है। आशा है कि यह कविता संग्रह पाठकों को पसंद आएगा।

मंगल व्यास भारती

समीक्षक कृति : अंधियारे का प्रहरी दीपक।
प्रकाशक : काव्यांजलि प्रकाशन, कोटा।
समीक्षक : बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

राशिफल 22 दिसम्बर 2023

मागशीर्ष शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2080, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 9.36 तक, परिद्य योग दिन 11.11 तक, गर करण प्रात: 8.12 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरु-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा।

आज कुमार योग सूर्योदय से रात्रि 9.36 तक है। स्वार्थसिद्धि योग रवियोग रहेगा। आज भद्रक सायं 7.44 से शनिवार प्रात: 7.12 तक है। सूर्य मकर राशि में प्रात: 8.58 पर प्रवेश करेगा। आज मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती है। आज से गण्टिय पौष मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघडिया - चर-सूर्योदय से 8.33 तक, लाभ-अमृत 8.33 से 11.08 तक शुभ 12.25 से 1.42 तक, चर 4.17 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल 10.30 से 12.00 तक सूर्योदय 7.16 सूर्यास्त 5.34

मेष
अपने अति आवश्यक ओर महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
मित्रों-रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन
आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों का प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन प्राप्ति में विलंब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं। परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही आर्थिक अड़चनें दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।